मैं गंगा हूँ

क) गंगा हिमालय के उच्च शिखरों ,गंगोत्री की हिमानी से निकलकर सारे भारत की लम्बाई नापती हुई अंत में बंगाल की खाड़ी के सागर में जा मिलती है |

ख) लोगों की ऐसी धारणा है कि गंगा के जल से स्नान करने मात्र से ही आध्यात्मिक , आधिभौतिक और शारीरिक –सभी प्रकार के दुखों से छूटकर मनुष्य मुक्तिधाम में प्रवेश कर जाता है |

ग) गंगा शिव जी की जटाओं से उतारकर भारत में आई थी |

घ) जाहनू नामक ऋषि मुझे पी गए | उन्होंने मुझे जनकल्याण के लिए फिर बहने की अनुमति दे दी | इसलिए गंगा नदी का नाम जाह्नवी पड़ा था |

ड) दिलीप का पुत्र भगीरथ राजगद्दी पर बैठा | उसने अनेक योग्य व्यक्तियों के सहयोग से गंगा को भारत भूमि पर लाने का प्रयत्न किया | इस कार्य में भगीरथ को अनेक संकटों का सामना करना पड़ा | हिमालय में बिखरी हुई गंगा की जलधारा को इकट्ठा करके उसके लिए चट्टानी पर्वतों में से गंगा नदी के लिए मार्ग बनाना कोई सरल कार्य न था | भगीरथ ने कठोर साहस ,श्रम ,तपस्या आदि के द्वारा अपनी बुद्धि और विद्या के बल से गंगा को भारत –भूमि पर लाकर दिखाया | तब से गंगा नदी का नाम भागीरथी प्रसिद्ध हो गया |

च) हरिद्वार , शुक्रताल , गढ़गंगा , कानपुर ,प्रयाग ,वाराणसी ,पाटलिपुत्र , भागलपुर ,कोलकाता , गंगासागर आदि अनेक तीर्थ स्थान फल – फूल रहे है |

छ) प्रयाग वह प्रदेश है जहाँ भरद्वाज ऋषि का आश्रम था | यहीं गंगा , यमुना और सरस्वती नदियों का संगम हुआ | इस स्थान को तीर्थराज कहा जाता है क्योंकि यहाँ तीन नदियाँ मिलती हैं | यहाँ बड़े - बड़े यज्ञ होते है | गंगा नदी के कारण ही 'प्रयाग ' का महत्त्व अधिक है |

ज) गंगा का तट अनेक विद्या – केंद्रों की जननी हैं | श्रद्धानन्द जी ने गंगा के तट पर गुरुकुल कांगड़ी जैसी संस्था का श्री गणेश किया था | ऋषिकुल , नालंदा विश्वविद्यालय ,वाराणसी विश्वविद्यालय तथा अन्य भी कई संस्थाएँ गंगा के वातावरण में फल – फूल रहीं हैं |

झ) भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने अपनी वसीयत में लिखा था की मेरी अस्थियों का विसर्जन गंगा नदी में ही करना |

10) चिकित्सा –विज्ञान की दृष्टि से गंगा के जल में अद्भुत गुण माने जाते हैं | कहते हैं कि गंगा जल को कितने ही समय तक किसी भी बर्तन में डालकर रखो , वह ख़राब नहीं होता है | सभी शुभकर्मो में गंगा जल द्वारा आचमन आदि करना उत्तम समझा जाता है | मरते हुए मनुष्य के मुख में गंगा जल डालकर उसकी सद्गति की कामना की जाती है | गंगा जल के इस महत्त्व के कारण ही लोग गंगा – सागरों तथा अन्य पात्रों में गंगा जल को भरकर घरों में श्रद्धापूर्वक रखा जाता है |

ट) एक किवंदन्ती इस प्रकार है की मुग़ल बादशाह शाहजहाँ के समय संस्कृत के महाकवि जगन्नाथ हुए थे | उनके काव्य को सुनकर संस्कृत जानने वाले तो मुग्ध होते ही थे ; संस्कृत न जानने वाले भी कविता की स्वर – लहरी में डूब जाते थे |

ठ) गंगा में मलिनतायें नगरों के गंदे नाले और नाले और कारखानों के दूषित जल मेरी पवित्रता समाप्त करते चले जाते है उसका परिणाम यह होता है कि मेरे जल से भी रोग फैलने लगते है

ड़) गंगा नदी भारत का एक महत्वपूर्ण अंग है | उसके द्वारा सींची गई खेती ,उसके वनों में आश्रित पशु पक्षी ,उसके जल में पलने वाले जीव–जन्तु उसके ऊपर बने बाँध से प्राप्त बिजली और पानी ,उस पर बनाये गए पुलों से बढ़ता यातायात और उसके जलमार्ग से होता आवागमन और व्यापार तथा पर्यटन उसे भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया है | गंगा नदी के द्वारा मत्स्य उद्योग एवं कृषि भी फल–फूल रही है |